किसानों ने एनएच 52 चूरू सडक मार्ग पर डोकवा गांव में नौ घंटे तक चक्काजाम रखा।

एन.एच. 52 पर डोकवा गांव में नौ घंटे से किसानों का चक्का जाम

डोकवा में दो किलोमीटर तक वाहनों की लम्बी कतारें लगीं

- किसानों ने, शाम पांच बजे वार्ता के लिए पहुंचे एस.डी.एम. व डी.वाई.एस.पी. से बात करने से इंकार किया।
- समाचार लिखे जाने तक, शाम 7 बजे तक चक्का-जाम प्रदर्शन जारी रहा।

सादुलपुर, 16 जुलाई (निसं)। अखिल भारतीय किसान सभा एवं भारत की जनवादी नौजवान सभा द्वारा नहर व फसल बीमा सहित 18 सूत्रीय मांगों को लेकर मिनीसचिवालय के समक्ष चल रहे अनिश्चितकालीन धरने के चलते प्रशासन द्वारा क्रॉप कटिंग (फसल कटने) की रिपोर्ट नहीं देने पर आक्रोशित किसानों नें पूर्व से प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार एन.एच. 52 सादुलपुर चूरू सडक मार्ग पर स्थित गाँव डोकवा में शनिवार को 9 घंटे तक चक्का जाम रखा।

समाचार लिखे जाने तक चक्का जाम के चलते करीबन दो किलोमीटर तक सड़क किनारे वाहनों की लम्बी-लम्बी कतारे लग गई तथा वाहन चालक व यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। लेकिन आक्रोशित किसान अपनी मांग को लेकर सड़क मार्ग पर ही डटे रहे तथा चक्का जाम कार्यक्रम को अनिश्चितकालीन जारी रखने की भी चेतावनी दी।

साथ ही क्रॉप कटिंग का डेटा उपलब्ध नहीं करवाने तथा प्रशासन द्वारा अभी तक कोई सकारात्मक जवाब नहीं देने पर आक्रोशित किसान अपनी मांगों पर अड़े रहे तथा चक्का जाम प्रदर्शन जारी रखा। वहीं घटना के बाद शाम करीबन 5 बजे तारानगर एसडीएम प्रभजोत सिंह गील, तारानगर डीवाईएसपी ओमप्रकाश गोदारा, राजगढ़ डीवाईएसी बृजमोहन असवाल, राजगढ़ थानाधिकारी कृष्ण कुमार बलौदा सीआई मय पुलिस दल-बल के मौके पर पहुँचे, जहाँ चक्का जाम प्रदर्शन कर रहे किसानों से वार्ता करनी चाही, मगर आक्रोशित किसानों नें वार्ता करने से इंकार कर दिया।

गौरतलब है कि गत कई दिनों से राजगढ़ उपखण्ड अधिकारी का पद रिक्त चल रहा है तथा तारानगर एसडीएम प्रभोजतसिंह गील को राजगढ़ एसडीएम का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

साथ ही 11 जुलाई से मिनीसचिवालय राजगढ़ के दोनों मुख्य द्वार लगातार दिन और रात तालाबन्दी के चलते बंद पड़े हैं। अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे किसानों के साथ अभी तक कोई सकारात्मक वार्ता नहीं हो पा रही है। लेकिन गंभीर बात यह है कि लगातार लगभग एक सप्ताह से उपखण्ड कार्यालय के दोनों द्वार तालाबंदी के चलते बन्द पड़े हैं, उसके बावजूद भी प्रशासन अपनी जिम्मेदारियों से दूर भागता नजर आ रहा है। कॉमरेड सुनिल पूनिया नें सम्बोधित करते हुए कहा कि पूर्व में हुइ वार्ता में क्रॉप कटिंग का डेटा उपलब्ध करवाने के लिए प्रशासन द्वारा 15 दिन का समय मांगा था, लेकिन आज तक ना तो डाटा उपलब्ध करवाया गया है और ना ही कोई सकारात्मक जवाब दिया जा रहा है, बल्कि धरने पर बैठे किसानों को बेवकूफ समझा जा रहा है।

इससे पूर्व शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे किसानों ने अपनी मांगों को लेकर 12 जुलाई को शहर के प्रमुख मार्गों से रैली निकाली थी, उसके बाद धरना स्थल पर 15 जुलाई को मोदी और गहलोत के पुतलों का दहन किया गया था, जहां चक्काजाम है उसी रास्ते से प्रशासनिक अधिकारी अपनी निवास पर आवागमन करते हैं, उसके बाद भी आज तक प्रशासन किसानों को संतुष्ट नहीं कर पाया है जो कि प्रशासनिक व्यवस्था पर एक गंभीर प्रश्नचिन्ह पैदा करता है।

'मुफ्त की रेवड़ियां'

उरई, 16 जुलाई (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मतदाताओं को लुभाने के लिये जनता में मुफ्त की सौगात बांटने को देश के लिये घातक बताते हुए कहा है कि देश में मुफ्त की रेवड़ी बांट कर वोट बटोरने की परिपाटी पनप रही है, ये 'रेवड़ी कल्चर' देश के लिये घातक है और सभी को मिलकर इस 'रेवड़ी कल्चर' को राजनीति से हटाना है।

मोदी ने शनिवार को उत्तर प्रदेश में बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे का यहां कैथेरी गांव में लोकार्पण करने के बाद अपने संबोधन में देशवासियों को आगाह किया कि मुफ्त की वस्तुयें बांटकर वोट

- प्रधानमंत्री मोदी ने मुफ्त की योजनायें चलाने वाली राज्य सरकारों पर कटाक्ष किया।

बटोरने वाली राजनीति से बहुत सावधान रहने की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने यहां विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा, हमारे देश में मुफ्त की रेवड़ी बांटकर वोट बटोरने का कल्चर लाने की कोशिश हो रही है। ये रेवड़ी कल्चर देश के विकास के लिए बहुत घातक है। इस रेवड़ी कल्चर से देश के लोगों को बहुत सावधान रहना है।

मोदी ने लोगों से इस परिपाटी को मिटाने का आव्हान करते हुए कहा, रेवड़ी कल्चर वाले कभी आपके लिए नए एक्सप्रेस वे नहीं बनाएंगे, नए एयरपोर्ट या डिफेंस कॉरिडोर नहीं बनाएंगे।

बाघिन को रामगढ़ टाइगर रिज़र्व में छोड़ा

रणथम्भौर टाइगर रिजर्व की सीमा से बाहर घूम रही बाघिन टी-102 ट्रैंकुलाइज़ कर रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व के सॉफ्ट एनक्लोजर में छोड़ा गया।

- रणथम्भौर टाइगर रिज़र्व की सीमा से बाहर घूम रही इस बाघिन, टी-102 को वन विभाग की टीम ने ट्रैंकुलाइज़ करके पकड़ा था।
- वरिष्ठ पशु चिकित्सकों की टीम ने बाघिन की जांच की फिर उसे रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व के सॉफ्ट एनक्लोज़र में छोड़ा गया।

सवाई माधोपुर, 16 जुलाई (निस)। रणथम्भौर टाइगर रिज़र्व के परिधि क्षेत्र में विचरण करने वाली बाघिन टी-102 टाइगर रिज़र्व की सीमा के बाहर राजस्व क्षेत्र में विचरण कर रही थी, जिसे ट्रैंकुलाइज़ करके पकड़ा गया और स्वास्थ्य परीक्षण उपरान्त रेडियो कॉलर लगा कर रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के सॉफ्ट एनक्लोजर में छोड़ा गया। टी-102 की मॉनिटरिंग वरिष्ठ पशु चिकित्सक एवं वन अधिकरी कर रहे हैं।

रणथम्भौर टाइगर रिज़र्व में लगभग पन्द्रह बाघ / बाघिन रिज़र्व के परिधि क्षेत्र में विचरण कर रहे हैं, जो अक्सर सीमा से बाहर भी चले जाते हैं। ये पन्द्रह बाघ-बाघिन टाइगर रिज़र्व सीमा में अपनी टैरिटरी नहीं बना पा रहे हैं, जिसके परिणाम स्वरूप इनके टाइगर रिज़र्व की सीमा से बाहर डिस्पर्स करने, टाइगर रिज़र्व में अन्य टाईगरों से संघर्ष, गायब होने तथा मृत्यु की संभावना बढ़ जाती है।

विभाग इन बाघ / बाघिनों को पुनर्वास/ट्रांसलोकेट करने के हर संभव प्रयास कर रहा है। रणथम्भौर टाइगर रिज़र्व कोर प्रथम क्षेत्र में बाघों का घनत्व अधिक होने के कारण इस प्रकार के प्रयास निरन्तर जारी रखे जाएंगे। इन्हीं प्रयासों के तहत, रणथम्भौर टाइगर रिज़र्व करौली क्षेत्र में, टाइगर पुनः स्थापन के लिए सॉफ्ट एनक्लोज़र बनाया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने इस्तीफा दिया

रायपुर, 16 जुलाई। छत्तीसगढ़ के पंचायत मंत्री टी.एस. सिंहदेव (बाबा) ने इस्तीफा दे दिया है। इस फैसले ने भूपेश बघेल कैबिनेट में हड़कंप मच गया है। इस घटना से छत्तीसगढ़ की राजनीति में सियासी भूचाल आ गया है। पंचायत विभाग में मंत्री टी.एस. सिंहदेव को बगैर विश्वास में लिए उनके विभाग से संबंधित फैसले लिए जा रहे थे, जिससे नाराज होकर टी.एस. सिंहदेव ने इस्तीफा दिया है। सिंहदेव अपने प्रभार वाले बाकी विभागों में कैबिनेट मंत्री के रूप में बने रहेंगे। सिंहदेव के इस्तीफे की खबर से प्रदेश में हड़कंप मच गया है।

यह कहते हुए खलबली मचा दी है कि उनके धैर्य की परीक्षा ली जा रही है। पारिवारिक पृष्टभूमि कांग्रेस की है और फिलहाल वे कांग्रेस में ही रहेंगे, लेकिन जीवन में कई निर्णय लेने पड़ते हैं। इस्तीफे के एक दिन पूर्व शुक्रवार को उन्होंने संभाग के कांग्रेस पदाधिकारियों के साथ बैठक की थी।

टी.एस. सिंहदेव के इस निर्णय ने भूपेश बघेल कैबिनेट में भूचाल ला दिया है। सिंहदेव अगर सख्त रूख अपनाते हैं तो छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को बड़ा नुकसान होने से इंकार नहीं किया जा सकता।

- इस्तीफे के समय टी.एस. सिंहदेव ने कहा, " मेरे धैर्य की बहुत लम्बे समय से परीक्षा ली जा रही है"

बता दें कि टी.एस. सिंहदेव छत्तीसगढ़ में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर कई बार कह चुके हैं। कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व को अब निर्णय ले लेना चाहिए। पिछले साढ़े 3 साल के भूपेश सरकार के कार्यकाल में न सिर्फ टी.एस. सिंहदेव की लगातार उपेक्षा की गई, बल्कि उन्हें कमजोर भी किया गया। टी.एस. के समर्थक विधायकों ने पाला बदल लिया।

सिंहदेव के खास समर्थक माने जाने वाले विधायक भी अब उनके साथ नहीं हैं। अपने विभागों के कई कामकाज को लेकर उन्होंने भूपेश बघेल को पत्र लिखा, जिस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया। लगातार उपेक्षा से उन्होंने अब सख्त रूख अपना लिया है।

ममता, मुर्मू की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रभावित होकर, आप से दूर जा सकता हो। ऐसा बिल्कुल नहीं है कि यशवंत सिन्हा की आप का समर्थन मिल जाने के कारण, देश के इस सर्वोच्च पद के लिये मुर्मू की जीत की संभावना संदेहास्पद या अनिश्चित हो गई हो। वे भाजपा तथा झारखंड मुक्ति मोर्चा के समर्थन से ही जीत जायेंगी। बी.जे.डी. भी उनकी उम्मीदवारी का समर्थन कर रही है। इसके अलावा, महाराष्ट्र में सरकार बदलने के साथ ही, महाराष्ट्र का बहुत बड़ा मतदाता मंडल मुर्मू के समर्थन में आ गया है।

उद्धव ठाकरे ने भी अपने प्रति निष्ठावान विधायकों और सांसदों को संबोधित करते हुए मुर्मू का समर्थन करने का आव्हान किया है। एक बार पुनः, भाजपा ने अपने गुट को राष्ट्रपति पद के आशार्थी से मिलने नहीं बुलाया, जो एक प्रकार नुकसानदायक नाराजगी मानी जा सकती है।

इस समय, उन लोगों के लिये भी यह मुश्किल होगा, जिन्होंने राष्ट्रपति चुनाव में संयुक्त विपक्षी प्रत्याशी के रूप में यशवंत सिन्हा को आगे किया कि वे यशवंत सिन्हा का समर्थन कर सकें। ममता बनर्जी, जिनकी पार्टी से त्याग पत्र देकर, सिन्हा राष्ट्रपति के उम्मीदवार के रूप में आये थे, भी शायद खुलकर सिन्हा का समर्थन न कर सवें

मुर्मू को राष्ट्रपति पद का प्रत्याशी घोषित किए जाने के तुरन्त बाद ममता ने हार मान ली थी। उन्होंने कहा था कि भाजपा एकतरफा घोषणा करने से पूर्व यदि विपक्षी पार्टियों से विचार-विमर्श करती तो वह सर्वसम्मति वाले किसी संयुक्त प्रत्याशी पर विचार कर सकती थीं।

मुर्मू का समर्थन करने के बजाय अन्ततः उल्टा काम कर अपनी पार्टी के निर्वाचित सदस्यों को निर्देश दे सकती हैं कि वे या तो मुर्मू का समर्थन करं या वोटिंग से अनुपस्थित रहें अथवा ऐसी चिकनी-चुपड़ी बात कह सकती हैं कि उनके विधायक अपने अन्तःकरण के हिसाब से वोट देने को स्वतंत्र हैं।

राष्ट्रपति चुनाव में अब ऐसी स्थिति में वोटों के भारी अन्तर वाली एकतरफा हार से बचने का एकमात्र रास्ता यही है कि यशवंत सिन्हा रेस से हट जाएं, अन्यथा उन्हें अपमानजनक हार झेलनी पड़ेगी। मुर्मू की उम्मीदवारी का विरोध कर ममता बनर्जी राज्य की बड़ी आदिवासी बैल्ट में अपनी संभावनाएं खत्म कर सकती हैं।

इस बीच, गवर्नर जगदीप धनखड़ उपराष्ट्रपति पद के लिए भाजपा प्रत्याशी घोषित कर दिए गए हैं। यह पद महत्वपूर्ण हैं क्योंकि उपराष्ट्रपति राज्यसभा के सभापति होते हैं और सत्तारूढ़ पार्टी के लिए यह एक सुगम स्थिति होगी। चाहे कुछ भी हो, पश्चिम बंगाल राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच चल रहे संघर्ष के तमाशे से वंचित हो जाएगा। अच्छा मचा चला गया।

क्यू आर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इलैक्ट्रॉनिक वस्तुएं भी शामिल हैं, को वस्तुओं के बारे में अनिवार्य घोषणा करने से राहत दी है और कहा है कि वह अब यह घोषणा क्यू.आर. कोड के जरिए डिजिटल रूप में कर सकते हैं। उपभोक्ता मामलात विभाग व लीगल मैट्रोलॉजी (पैकेज्ड कमोडिटीज़) सैकेण्ड अमैंडमैंट रूल्स, 2022 के जरिए राहत देने की घोषणा की। इसमें कहा गया है कि इस डिजिटल युग में टैक्नॉलजी का इस्तेमाल बढ़ाने के लिए यह किया गया है क्योंकि वस्तु पर प्रिंटेड क्यू.आर. कोड को स्कैन करके सारी जानकारी प्राप्त की जा सकती हैं, जैसे निर्माता, पैकर या आयात कर्ता का पता, वस्तु का सामान्य या जैनरिक नाम, आकार, कस्टमर केयर डिटेल्स, टेलीफोन नम्बर और इमेस आदि। इलैक्ट्रॉनिक इण्डस्ट्री ने इन सुधारों का स्वागत किया, लेकिन उपभोक्ता को इससे नुकसान होगा क्योंकि सभी के पास कोड को स्कैन करने की सुविधा नहीं होगी। एक कंज़्यूमर एक्टिविस्ट ने कहा कि आज यह प्रावधान इलैक्ट्रॉनिक गुड्स के लिए तो कल पैकेज्ड गुड्स के लिए होगा।

बूस्टर का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करता है?

अध्ययन दिखाता है कि, तीन महीने के अंदर वैक्सीन की दो डोज़ का असर दस प्रतिशत के नीचे चला जाता है। हालांकि, बूस्टर या तीसरी डोज़, रोग के लक्षण संबंधी इन्फैक्शन से बचने के लिए 60 प्रतिशत तक प्रभावशाली होती है, लेकिन, हर महीने इसमें 20 प्रतिशत कमी आती है और तीन महीनों में यह ज़ीरो पर पहुँच जाती है।

'तीस्ता सीतलवाड़ ने अहमद पटेल के इशारे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तौर पर खंडन किया गया है तथा कहा गया है कि यह आरोप प्रधानमंत्री की उस सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है जिससे वे उनके मुख्यमंत्रित्व काल में 2002 के साम्प्रदायिक हत्याकांड की किसी भी जिम्मेदारी से स्वयं को बचा सकें।

रमेश ने इस बयान में कहा है कि इस हत्याकांड पर नियन्त्रण पाने में उनकी अनिच्छा एवं अक्षमता ही तो थी जिसके चलते पूर्ण प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को मुख्यमंत्री मोदी को उनके "राजधर्म" की याद दिलानी पड़ी थी।

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि साफ बात तो यह है कि प्रधानमंत्री का राजनैतिक प्रतिशोध तन्त्र, अब इस दुनिया में नहीं रहे राजनैतिक विरोधियों को भी नहीं बख्शता हैं। गुजरात पुलिस की यह स्पेशल इन्वेस्टिगेटिंग टीम (एस.आई.टी.) अपने राजनैतिक स्वामी के इशारों पर नाच रही है तथा यह आगे भी वही कहेगी और करेगी, जो उससे कहा जायेगा।

कांग्रेस ने कहा कि हम जानते हैं कि एक पूर्व एस.आई.टी. चीफ को पुरूस्कृत करते हुये, एक राजनयिक का पद दे दिया गया था क्योंकि उसने तत्कालीन मुख्यमंत्री मोदी को "क्लीन चिट" दे दी थी। बयान में कहा गया है कि सालों से मोदी-शाह की जोड़ी की यह पहचान रही है कि किसी मामले के न्यायालय में विचाराधीन होने की स्थिति में भी, अपनी कठपुतली एजेंसियों के जरिये प्रैस के माध्यम से अपना फैसला देते हुये, गम्भीर आरोप इतने जोर-शोर से लगाये जाते हैं, मानों निष्कर्षों पर पहुँच जा चुका हो। कांग्रेस ने कहा कि स्व. पटेल पर उक्त आरोप लगाया जाना, उसी प्रवृत्ति के एक और उदाहरण के अलावा, और कुछ भी नहीं है। इस बार, इसमें एक मर चुके व्यक्ति को बदनाम करने का उद्देश्य और शामिल हो गया है क्योंकि, जाहिर है, ऐसे निर्लज्ज झूठ का खण्डन करने में वह व्यक्ति इसलिये असमर्थ है क्योंकि वह अब दुनिया में मौजूद ही नहीं हैं।

एस.आई.टी. ने अहमद पटेल पर यह आरोप उस समय लगाया था, जब वह तीस्ता सीतलवाड़ की जमानत की अर्जी का विरोध कर रही थी। एस.आई.टी. ने अदालत से कहा कि सीतलवाड़ उस "वृहद साजिश" का हिस्सा थी, जो स्व. पटेल के निर्देश पर तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को हटाने के लिये रची गई थी। अब इस के भी सुनवाई अगले सोमवार को होगी।

गुजरात दंगों के केसों में लोगों पर आरोप लगाने के लिये, कथित रूप से साक्ष्य गढ़ने के क्रम में पूर्व आई.पी.एस. अधिकारी आर.बी. श्रीकुमार तथा संजीव भट्ट के साथ ही, सीतलवाड भी गिरफ्तार कर ली गई हैं।

- दिवंगत अहमद पटेल की पुत्री मुमताज पटेल ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताया और कहा, अगर तीस्ता सीतलवाड़, अहमद पटेल के साथ मिलकर साजिश कर रही थीं, तो उन्हें पुरस्कृत क्यों नहीं किया गया और राज्यसभा का सदस्य नहीं बनाया गया, मनमोहन सिंह की सरकार में।
- कांग्रेस ने भी अहमद पटेल पर लगे आरोपों को पुरजोर ढंग से दुर्भाग्यपूर्ण बताया। एक दिवंगत व्यक्ति पर, उसकी मृत्यु के बाद आरोप लगाना कायरता है, क्योंकि मृत व्यक्ति, इन बेबुनियाद आरोपों का जवाब नहीं दे सकता।

गुजरात पुलिस पैनल ने कहा, "इस बड़ी साजिश को अंजाम देते समय, प्रार्थी (सीतलवाड़) का राजनैतिक उद्देश्य था। निर्वाचित सरकार की बखास्तगी या उसे गिराना।.....गुजरात में निर्दोष लोगों को गलत तरीके से फँसाने के अपने प्रयासों के एवज में, इन्होंने प्रतिद्वंद्वी राजनैतिक दल गैर कानूनी किस्म के वित्तीय तथा अन्य प्रकार के लाभ एवं प्रतिफल प्राप्त किये थे।"

एस.आई.टी. ने एक गवाह के बयानों का हवाला देते हुये आरोप लगाया कि यह साजिश अहमद पटेल के आग्रह पर की गई थी जिन्होंने दंगों के बाद सुश्री सीतलवाड़ तक 30 लाख (?) पहुँचाये थे।

पुलिस ने कहा कि ये ऐक्टिविस्ट उस "प्रतिष्ठित राजनैतिक दल, जो उस समय दिल्ली की सत्ता में था", के नेताओं के नाम दंगों के केसों में शामिल कराया करते थे। इन ऐक्टिविस्टों को राज्य सभा सीट का भी लालच दिया जाता था।

इसी बीच, अहमद पटेल की बेटी मुमताज पटेल ने भी एस.आई.टी. के कथन को खारिज करते हुये कहा है कि "मेरे खयाल से, विपक्ष को बदनाम करने के राजनैतिक षडयन्त्र के लिये उनका (अहमत पटेल) नाम अब भी वजनदार माना जाता है।" उन्होंने ट्वीट किया, "यू.पी.ए. के शासन काल में, तीस्ता सीतलवाड़ को पुरस्कृत क्यों नहीं किया गया तथा राज्यसभा सदस्य क्यों नहीं बनाया गया तथा केन्द्र ने 2020 तक मेरे पिता पर इतनी बड़ी साजिश रचने के फलस्वरूप, मुकदमा क्यों नहीं चलाया था।

भाजपा ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी को फँसाने की "साजिश" के पीछे "संचालक शक्ति" के रूप में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी थीं। भाजपा प्रवक्ता सम्बित पात्रा ने एक प्रैस कॉन्फ्रेंस में कहा, "पटेल का तो नाम है। इस साजिश के पीछे खड़े होकर, इस संचालित करने वाली तो सोनिया गांधी थी। हम माँग करते हैं कि सोनिया गांधी एक प्रैस कॉफ्रेंस आयोजित करें तथा राष्ट्र को सम्बोधित करें और बतायें कि वे मोदी के खिलाफ षडयन्त्र क्यों कर रही थीं।"

सीतलवाड़ की गिरफ्तारी उसके एक दिन बाद हो गई थी, जब सर्वोच्च न्यायालय दंगों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दोष मुक्ति की पुष्टि कर दी थी। उनकी गिरफ्तारी पर, अन्य के अलावा, "यू.एन. ऑफिस ऑफ द हाईकमिश्नर फॉर ह्यूमन राइट्स (ओ.एच.सी.एच. आर) ने भी सवाल खड़े किये थे तथा कहा था कि ओ.एच.सी.एच.आर. इससे बहुत चिन्तित" है। भारत सरकार ने इस बयान को "पूरी तरह अनुचित एवं अकारण" एवं "भारत के स्वतन्त्र न्यायिक तन्त्र में हस्तक्षेप" बताया था।

कोविड...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

20,044 नये कोविड-19 केस आये। पिछले 24 घंटों में कोविड से मरने वालों की संख्या 56 तक पहुँच गई।

शनिवार को 24 घंटे में महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 10 मौतें हुई। उसके बाद पश्चिम बंगाल में 5, उत्तर प्रदेश, गुजरात, हिमाचल प्रदेश तथा केरल में दो-दो तथा पंजाब, असम, बिहार, कर्नाटक, औडिशा, उत्तराखंड, तमिलनाडु एवं सिक्किम में एक-एक मृत्यु हुई।

भारत में अब तक कोविड-19 वायरस के कारण, कुल 5,25,660 लोग मर चुके हैं, जबकि संक्रमित लोगों की संख्या 4,37,30,071 हो गई है। कुल 4,30,63,651 लोग ठीक हो चुके हैं।

एक्टिव केसों की संख्या बढ़कर 1,40,760 हो गई, जबकि शनिवार को राष्ट्रीय टीकाकरण 199.71 करोड़ तक पहुँच गया। आज सुबह 7 बजे खत्म हुये 24 घंटों में 22.93 लाख लोगों का वैक्सीनेशन किया गया।

अभी से कयास लगने लगे बोरिस जॉनसन कैसे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रत्याशियों के साथ बातचीत की है, जिसमें उन्होंने अपनी स्पष्ट राय व्यक्त की है कि सुनक प्रधानमंत्री नहीं बनने चाहिए।

इस बातचीत के करीब रह चुके एक सूत्र ने कहा कि जॉनसन विदेश मंत्री लिज़ ट्रस के प्रति काफी उत्सुक नज़र आए। ट्रस का उनके सर्वाधिक उग्र मंत्रिमण्डलीय सहयोगियों जैकब रीसमॉग और नैडिन डॉरिस द्वारा समर्थन किया जाता रहा है।

समझा जाता है कि जॉनसन ने यह भी संकेत दिया है कि यदि यह सुनिश्चित हो जाए कि पूर्व चांसलर सुनक नेतृत्व का चुनाव ना जीतें तो उन्हें जूनियर ट्रेड मिनिस्टर पैनी मॉर्डान्ट के प्रधानमंत्री बनने में कोई दिक्कत नहीं है।

एक सूत्र ने द टाइम्स को बताया कि "नम्बर 10 की पूरी टीम ऋषि से घृणा करती है। यह व्यक्तिगत एवं कटु है। वे लोग जॉनसन के पतन को लेकर साज (साजिद जाविड) पर दोषारोपण नहीं करते। वे ऋषि को दोष देते हैं। वे सोचते हैं ऋषि इसकी कई महीनों से प्लानिंग कर रहे थे।

जाविड ने जब पिछले सप्ताह मंगलवार को अचानक से जॉनसन के पतन के बारे में बताया तो सुनक ने इसके कुछ ही क्षणों बाद इस्तीफा दे दिया था। अन्य सूत्रों ने बताया कि जॉनसन ने निजी रूप से यह चिंता प्रकट की थी कि सुनक पुतिन के प्रति नरम रूख अपनाएंगे और रूस पर प्रतिबंधों में ढील देंगे।

जॉनसन के एक साथी ने इस दावे को खारिज किया कि वह ऋषि के अलावा किसी की भी जीत चाहते हैं, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि सुनक के विश्वासघात को लेकर प्रधानमंत्री नाराज़ हैं। मित्र ने कहा कि "वास्तव में वह निराश और हताश हैं। वह विकास की जरूरी रणनीति बनाने के लिए कई महीनों ने ऋषि पर दबाव बनाते रहे हैं किन्तु इस काम में विफल रहे। अतः जो स्थिति पहले ही नियंत्रित की जा सकती थी, उसे लेकर उनमें विश्वासघात के साथ ही एक खेद का भाव भी है।

"लेकिन वह इसको लेकर स्पष्ट हैं कि उनकी प्रतिबद्धता पूर्ण रूप से ब्रिटिश लोगों के लिए है और सर्वाधिक महत्वपूर्ण यह है कि एक ऐसे नेता का चयन किया जाए जो जनता का भला कर सके, चाहे यह उनके (जॉनसन) के लिए व्यक्तिगत रूप से दुःखदायी ही क्यों ना हो।"

सुनक के एक साथी ने इस दावे का खण्डन किया कि वह पुतिन पर नरम रूख अपनाएंगे। उन्होंने कहा कि ऋषि ने रूस पर कड़े से कड़े प्रतिबंध लागू करने का समर्थन किया था और यह सुनिश्चित किया था कि हमारे सहयोगी देश भी ऐसा ही करें।

प्रधानमंत्री सितम्बर माह की शुरूआत में डाउनिंग स्ट्रीट से विदा होने के बाद हाउस ऑफ कॉमन्स के सक्रिय बैक बैंचर बनने का इरादा रखते हैं। उनके एक साथी ने बताया कि वह ब्रैग्ज़िट, यूक्रेन और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर हाउस ऑफ कॉमन्स में नियमित हस्तक्षेप करना चाहते हैं। ये तीन मुद्दे वे हैं जिन्हें वह अपनी विरासत में सर्वाधिक महत्वपूर्ण समझते हैं।

जॉनसन की पूर्ववर्ती थरीसा में भी हाउस ऑफ कॉमन्स में रही थीं। वह नियमित रूप से चर्चा में भाग लेती थीं और कभी-कभी सरकार की आलोचना भी करती थीं।

इसके विपरीत, डेविड कैमरून ने 10 डाउनिंग स्ट्रीट छोड़ने के दो माह बाद सांसद पद त्याग दिया था। उन्होंने शुरूआत में कहा था कि वह कॉमन्स में बने रहेंगे किन्तु उन्होंने अपना-मानस यह करते हुए जल्दी ही बदल लिया था कि उन्हें भय था कि वह "एक बड़े पागल और मनोरंजक" बन जाएंगे।

सर टोनी ब्लेयर ने वर्ष 2007 में जिस दिन प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दिया था, उसी दिन उन्होंने अपना सांसद पद भी छोड़ दिया था। गॉर्डन ब्राउन वर्ष 2010 में मिली पराजय के बाद भी वर्ष 2015 में हुए अगले चुनावों तक सांसद रहे थे, लेकिन कॉमन्स में कभी-कभी ही बोलते थे।

अपने इस्तीफे के बाद सोमवार को सार्वजनिक रूप से पहली बार प्रकट हुए जॉनसन ने अपने किसी संभावित उत्तराधिकारी का समर्थन करने से इंकार कर दिया।

उन्होंने कहा कि "हमें जो जनादेश मिला है, मैं उसको लेकर कार्य निष्पादन करने के प्रति दृढ़ प्रतिज्ञ हूँ।" लेकिन मेरा कार्य वास्तव में अगले कुछ हफ्तों तक सिर्फ प्रक्रिया पर निगरानी रखना है और मैं आश्वस्त हूँ कि इसका परिणाम अच्छा होगा और हमें सिर्फ काम करते रहने की जरूरत है। देखिए मैं इसके बारे में अधिक कुछ नहीं कहना चाहता। चयन प्रक्रिया चल रही है तथा उसे जरूर होना चाहिए।"

उन्होंने कहा कि "मैं मेरा समर्थन व्यक्त करके किसी की संभावनाएं धूमिल नहीं करना चाहता। मुझे सिर्फ अपना काम करना है। मुझे अपना काम करना है और इस स्थिति में अंतिम कुछ दिन और हफ्तों के लिए प्रधानमंत्री की संवैधानिक जिम्मेदारी यह है कि वह जनादेश का पालन करता रहे और वही मैं कर रहा हूँ।"

ऋषि सुनक फिलहाल जिस रणनीति पर काम कर रहे हैं, उसे उनके साथी "सेफ्टी फर्स्ट" की संज्ञा देते हैं। नेतृत्व के प्रचार अभियान को लेकर अभी तक उन्होंने सिर्फ चार कदम उठाए हैं: एक तो बेहद परिष्कृत वीडियो लाँच किया गया है, जिसकी पटकथा सावधानीपूर्वक लिखी गई है तैर दो साक्षात्कार हैं, जिनमें एक तो अखबार को दिया गया है और दूसरा रेडियो ब्रॉडकास्ट को।

हर वह जानबूझकर संयम बरतते रहे हैं। अपने प्रसारित होने वाले भाषण की बार-बार पूर्व तैयारी करने के साथ ही उन्होंने प्रसारण में अपने वृहद विचारों को कुछ डिटेल्स में ही बना दिया।

प्रैस के प्रश्न भी सीमित कर दिए गए। शुरू में उन्होंने ब्रॉडकास्टर्स के केवल तीन प्रश्नों का ही उत्तर दिया और अखबारों से आपत्तियां आने के बाद उन्होंने उनके दो प्रश्न और मंजूर कर लिए। दो प्रश्न उनके समर्थकों के थे।

कल प्रसारित बी.बी.सी. रेडियो 4 के "टुडेज़ प्रोग्राम" में उनकी प्रतिक्रियाएं संयमित थीं। उन्होंने इस सुझाव को खारिज कर दिया कि वह इतने हैं कि प्रधानमंत्री नहीं बन सकते। उन्होंने इसकी पूर्व तैयारी के साथ तपाक से कहा कि "मैं लोगों का आकलन उनके चरित्र से करता हूँ। उनके बैंक अकाउंट से नहीं।"

स्वयं के वित्त मंत्री रहते हुए टैक्स वृद्धि को लेकर हो रही आलोचना को लेकर उन्होंने कहा "मैं चुनाव जीतने के लिए टैक्स कम नहीं करता। मैं टैक्स कम करने के लिए चुनाव जीतता हूं।"

उनकी टीम के एक सीनियर सदस्य ने कहा: "साक्षात्कारों के दौरान उनका संयम लाजवाब है। वे अविश्सनीय रूप से शांत हैं। वे लोगों को अपने लम्बे लक्ष्य से डिगाने का मौका नहीं देंगे।"

तथापि उनका प्रचार अभियान अभी उस ऊंचाई पर नहीं पहुंचा है, जैसी कि उनके कुछ समर्थक उम्मीद कर रहे थे। अंतिम दो में पहुंचने के लिए उन्हें 120 टोरी सांसदों की जरूरत है जिनमें से अब भी 19 कम हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908